नागौर में ट्रेलर और क्रूजर गाड़ी की आमने-सामने भिड़ंत, 15 यात्री घायल

12 को जिला अस्पताल में भर्ती करवाया, 4 की हालत गंभीर होने पर जोधपुर-अजमेर रेफर किया

नागौर, (निसं)। नागौर में जोधपुर रोड पर फागली फांटे के पास सवारियों से भरी क्रूजर गाड़ी और ट्रेलर में भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि क्रूजर गाड़ी के परखच्चे उड़ गए। घटना की सूचना मिलने पर नागौर कोतवाली थाने के थानाधिकारी वेदपाल शिवरान जाब्ता के साथ मौके पर पहुंचे। घायलों को 108 एम्बुलेंस और निजी वाहनों के जरिए जेएलएन जिला अस्पताल ले जाया गया। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को हटाकर हाइवे का जाम खुलवाया। दुर्घटना में 15 लोग घायल हुए। इनमें से 12 को जिला अस्पताल में भर्ती करवाया गया। इसमें 4 की हालत गंभीर होने पर उन्हें हायर सेंटर (जोधपुर-अजमेर) रेफर कर दिया गया।

कोतवाल वेदपाल शिवरान ने बताया कि नागौर फागली गांव के पास गुरुवार दोपहर एक ट्रेलर और क्रूजर गाड़ी की आमने-सामने भिड़ंत हो गई। हादसे में करीब 15 लोग घायल हो गए। स्थानीय लोगों ने एम्बुलेंस की मदद से सभी घायलों को नागौर के जेएलएन जिला अस्पताल पहुंचाया। जहां पर घायलों का प्राथमिक उपचार किया गया और 4 गंभीर घायलों को हायर सेंटर गया। सभी घायल मध्य प्रदेश के धरमपुरी जिले के निवासी हैं और दर्शन करने के लिए जैसलमेर के रुणीचा स्थित रामदेवरा आए थे, इसके बाद खाटूश्यामजी दर्शन के लिए जा रहे थे। इसी दौरान नागौर फागली गांव की पुलिया के पास सामने से आ रहे ट्रेलर से क्रूजर की टक्कर हो गई।

- **सभी घायल मध्य प्रदेश के धरमपुरी जिले के निवासी हैं और दर्शन करने के लिए रामदेवरा आए थे, इसके बाद खाटूश्यामजी दर्शन के लिए जा रहे थे**

कोतवाल वेदपाल शिवरान ने बताया कि हादसे में सभी घायल मध्य प्रदेश के धरमपुरी जिले के निवासी हैं और दर्शन करने के लिए जैसलमेर के रुणीचा स्थित रामदेवरा आए थे। इसके बाद खाटूश्यामजी दर्शन के लिए जा रहे थे। इसी दौरान नागौर फागली गांव की पुलिया के पास सामने से आ रहे ट्रेलर से क्रूजर की टक्कर हो गई

कोतवाल वेदपाल शिवरान ने बताया कि हादसे में घायल हुये धर्मपुरी (मध्यप्रदेश) निवासी दुर्गा बाई, कुतरिया, शिप्रा, महेश, भगवान सिंह, रेखा बाई, मांगीलाल, अनिल कुमार, मंगलसिंह, माया बाई, मूलचंद और क्रूजर ड्राइवर संजय कुमार को घायलावस्था में जिला अस्पताल ले जाया गया।

हादसे के बाद घायलों को परिजनों व लोगों ने संभाला।

जमीन विवाद में किसान पर हमला : श्रीगंगानगर जिले के चूनावढ़ थाना क्षेत्र में जमीन विवाद को लेकर एक किसान से मारपीट का मामला सामने आया है। घायल किसान को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार जसविंदर सिंह ने तीन महीने पहले बालकिशन पुत्र नंद राम से कृषि भूमि खरीदी थी। यह जमीन चक नंबर 10 एमएल श्रीगंगानगर खाता नंबर 115/69 मुरब्बा नंबर 17 का किल्ला नंबर 23,24,25 है। जसविंदर ने जमीन का कब्जा लेकर वहां चारा और मूंग की फसल लगाई थी। दीपक कुमार और अन्नू पिमरान बालकिशन व जयसिंह पुत्र राम चंद निवासी दानी रामवाला ट्रैक्टर और कार से आए। उनके साथ 12-13 अन्य लोग भी थे। जसविंदर सिंह खेत में पानी लगा रहा था। आरोपियों ने उसे नीचे गिराकर मारपीट की। घायल जसविंदर सिंह को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने उनकी शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया है। जांच चूनावढ़ थाने के एएसआई महेंद्र सिंह को सौंपी गई है।

अफीम तस्करी का खुलासा, दलाल और सप्लायर गिरफ्तार

श्रीगंगानगर, (निसं)। जिले में ऑपरेशन सीमा संकल्प के तहत पुलिस को सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने अफीम तस्करी मामले में दलाल और सप्लायर को गिरफ्तार किया है। दलाल बिहार का तो वहीं सप्लायर नेपाल का रहने वाला है। सदर पुलिस दोनों को गिरफ्तार कर श्रीगंगानगर ले आई है। दोनों से फिलहाल अफीम तस्करी के नेटवर्क के संबंध में पूछताछ की जा रही है।

सदर थानाधिकारी सुभाष ढील ने बताया कि पिछले दिनों नाकाबंदी के दौरान भागी एक क्रेटा कार को सादुलशहर पुलिस ने पीछा कर पकड़ा था। जिसमें से 4 किलो 976 ग्राम अफीम बरामद हुई थी। गाड़ी सवार युवक हरियाणा के सोनीपत का रहने वाला था, जो अफीम की खेप बिहार और नेपाल बॉर्डर से लेकर आया था। उस समय तस्करी कर रहे गिरफ्तार आरोपी की पहचान विकास सहरावत (34) पुत्र प्रेम सहरावत निवासी सोनीपत (हरियाणा) के रूप में हुई थी। सदर थानाधिकारी ने बताया कि पूछताछ में सामने आया कि विकास यह अफीम नेपाल के परसा जिले के लक्ष्मी रावत नाम के सप्लायर से लेकर आया था। उसका संपर्क बिहार के पश्चिम चंपारण जिले के सरिसवा गांव निवासी शिवनाथ पाल के जरिए हुआ। शिवनाथ नेपाल बॉर्डर पर भारत के तस्करों को बुलाकर अफीम की डील कराता था।

- **दलाल बिहार का तो वहीं सप्लायर नेपाल का रहने वाला है, सदर पुलिस दोनों को गिरफ्तार कर श्रीगंगानगर लाई**

श्रीगंगानगर पुलिस की एक टीम एसआई हंसराज के नेतृत्व में बिहार भेजी गई, जहां से दोनों दलाल शिवनाथ और सप्लायर लक्ष्मी रावत को दबोच लिया गया। तीनों आरोपियों का आपराधिक रिकॉर्ड भी सामने आया है। विकास सहरावत इससे पहले पंजाब में 4 किलो अफीम के साथ पकड़ा जा चुका है और तीन महीने पहले ही जमानत पर बाहर आया था। वहीं शिवनाथ और लक्ष्मी इस साल मार्च से जून तक हरियाणा के यमुनानगर जेल में एनडीपीएस एक्ट में बंद थे। पुलिस अब गिरोह से जुड़े अन्य लोगों की तलाश कर रही है। बताया जा रहा है कि नेपाल के ऊंचाई वाले इलाकों में अवैध अफीम की खेती होती है, जहां से यह माल भारत लाकर सप्लाई किया जाता है।

बाघिन आरवीटी-2508 का बूंदी शहर के पास मूवमेंट, लोगों में दहशत

रामगढ़ विषधारी टाइगर रिजर्व क्षेत्र की सूरज छतरी पर बीती रात बाघिन देखी गई थी

बूंदी, (निसं)। शहर के आसपास में बीते कुछ दिन से बाघिन आरवीटी-2508 के मूवमेंट बना हुआ है। रामगढ़ विषधारी टाइगर रिजर्व क्षेत्र की सूरज छतरी पर बीती रात बाघिन देखी गई थी। आज सुबह बाघिन पहाड़ी से उतरकर पुराने नेशनल हाइवे स्थित वन विभाग के कार्यालय के आसपास नजर आई। बाघिन ने कुछ समय तक वन विभाग प्रांगण में ही विचरण किया। बाघिन का शहर के नजदीक मूवमेंट होने से लोगों दहशत का माहौल है। वहीं वन विभाग की टीम अलर्ट मोड़ पर है। इसके बाद उसने अपना रुख पुन: पहाड़ी की ओर करते हुए वन विभाग के पीछे वाली पहाड़ी की और कदम बढ़ाए।

- **सुबह बाघिन पहाड़ी से उतरकर पुराने नेशनल हाइवे स्थित वन विभाग के कार्यालय के आसपास नजर आई**
- **'वन विभाग की टीम पूरी तरह बाघिन के मूवमेंट पर नजर बनाए हुए हैं, अलग-अलग टीमें सुरक्षा में जुटी हुई हैं'**

बून्दी रेंजर सुमित ने बताया कि वन विभाग की टीम पूरी तरह बाघिन के मूवमेंट पर नजर बनाए हुए है। दिन रात अलग अलग टीमें सुरक्षा में जुटी हुई है। आज बाघिन का मूवमेंट उनके स्वयं के विभाग में रहा। बाघिन ने वन विभाग में भ्रमण कर अपना रुख पुन: पहाड़ी की और कर लिया। सुमित कन्नोजिया स्वयं अपनी टीम के साथ चुंगी नाका के पास स्थित वन विभाग के ऑफिस के बाहर मौजूद रहे और पल-पल बाघिन के हर मूवमेंट की जानकारी ले रहे थे। जब बाघिन ने वापस पहाड़ी की और रूख किया तो वन विभाग के अधिकारी, कर्मचारियों ने राहत की सांस ली। सुमित कनौजिया ने शहर वासियों से अपील की है कि वह रात्रि के समय ऐसे क्षेत्र में नहीं जायें जिधर बाघ या बाघिन का मूवमेंट हो। वन्यजीवों के साथ-साथ आमजन की हिफाजत करना भी हमारी जिम्मेदारी है।

स्कूटी सवार पिता-पुत्री को ट्रक ने टक्कर मारी, पुत्री की मौत

अजमेर, (कासं)। गंज थाना क्षेत्र के वरुण सागर रोड पर गुरुवार एक दर्दनाक हादसा घटित हुआ। अपने पिता के साथ स्कूटी पर जा रही युवती जो कि ट्रक की चपेट में आने से गंभीर रूप से घायल हो गई। हादसे में ट्रक का पहिया पैर पर चढ़ जाने से उसका एक पैर कट कर शरीर से अलग हो गया, हादसा होते ही मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। स्थानीय लोगों की मदद से युवती को परिवार के लोग अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। सूचना पर पहुंची गंज थाना पुलिस ने ट्रक को जब्त किया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

- **हादसे में ट्रक का पहिया पैर पर चढ़ जाने से युवती का एक पैर कट कर शरीर से अलग हो गया**
- **हादसे के बाद ट्रक ड्राइवर वाहन छोड़कर फरार हो गया, पुलिस ने ट्रक को जब्त किया**

गंज थाना पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार वरुण सागर रोड निवासी संध्या अपने पिता गजानंद बालोटिया के साथ स्कूटी से गंज इलाके में जा रही थी। पीछे से तेज रफ्तार से आ रहे पंजाब नंबर के ट्रक ने स्कूटी को टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि ट्रक के पिछले पहियों के नीचे आकर युवती के दोनों पैर बुरी तरह कुचल गए। एक पैर शरीर से अलग हो गया, मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। स्थानीय लोगों ने तुरंत एंबुलेंस की मदद से संध्या को जेएलएन अस्पताल पहुंचाया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। हादसे के बाद ट्रक ड्राइवर वाहन छोडक़र मौके से फरार हो गया। सूचना मिलते ही पुलिस भी मौके पर पहुंची और ट्रक को जब्त कर लिया। घटना की जानकारी मिलते ही परिजन अस्पताल पहुंचे, जहां रो-रोकर उनका बुरा हाल है। पुलिस ने ट्रक चालक की तलाश शुरू कर दी है। स्थानीय लोगों का कहना है कि वरुण सागर रोड पर बड़े वाहनों की तेज रफ्तार से आए दिन हादसे हो रहे है। उन्होंने जिला प्रशासन से मांग की है कि मार्ग पर ट्रैफिक नियंत्रण और सख्त निगरानी की जाए ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाएं घटित न हो।

अनूपगढ़ के रावला में सफाई व्यवस्था बिगड़ी

अनूपगढ़, (निसं)। विधानसभा क्षेत्र की रावला मंडी में सफाई व्यवस्था पूरी तरह से चरमरा गई है। बरसात के पानी की निकासी की समस्या से स्थानीय लोग परेशान हैं। रावला ग्राम पंचायत के प्रशासक दिनेश सोनी से लोगों ने इस समस्या के समाधान की मांग की है। रावला के वार्ड नंबर 16 और 17 में पिछले 4 सालों से सफाई व्यवस्था खराब है।

स्थानीय निवासी बाबूलाल, सुभाष गौड़ और मुकेश कुमार ने बताया कि कई बार प्रशासन को इस समस्या से अवगत कराया गया। बरसात में अधिकतर वार्डों में पानी जमा हो जाता है। इससे लोगों को आवागमन में परेशानी होती है। प्रशासक दिनेश सोनी ने बताया कि 16 जून 2025 को सरपंच पद मुक्त होने के बाद 4 जुलाई को उन्हें प्रशासक नियुक्त किया गया। उन्हें अभी तक वित्तीय स्वीकृति नहीं मिली है। वे अपने खर्चे पर ट्रैक्टर-ट्रॉली का किराया देकर सफाई करवा रहे हैं।

वित्तीय स्वीकृति नहीं मिलने से पिछले दो महीनों से सफाई कर्मचारियों को वेतन नहीं मिला है। प्रशासक ने राजस्थान सरकार से वित्तीय स्वीकृति की मांग की है। इससे रावला में विकास कार्य और व्यवस्थाएं सुचारू की जा सकेंगी। रावला के व्यापारियों के द्वारा प्रशासक से मांग की गई कि रावला ग्राम पंचायत में 3 सार्वजनिक शौचालय बने हुए हैं मगर वे शौचालय अभी तक शुरू नहीं हुए हैं।

प्रशासक सोनी ने उन्हें आश्वस्त किया है कि वर्तमान में इन शौचालय में कोई भी कर्मचारी नियुक्त नहीं है और ना ही वह सफाई व्यवस्था हो पा रही है। उन्होंने बताया कि शीघ्र ही यहां कर्मचारियों की नियुक्ति का इन शौचालयों को शुरू करवाया जाएगा।

रायसिंहनगर पंचायत समिति परिसर में15 दिन से पाइप लाइन लीकेज

श्रीगंगानगर, (निसं)। जिले की रायसिंहनगर पंचायत समिति परिसर में पेयजल पाइपलाइन से पानी रिस रहा है। निर्माणाधीन सीआईडी कार्यालय के पीछे पिछले 15 दिनों से यह समस्या बनी हुई है। प्रतिदिन हजारों लीटर पानी व्यर्थ बह रहा है।

- **रायसिंहनगर पंचायत समिति में दूषित पानी की सप्लाई, मच्छरों का प्रकोप बढ़ा**

स्थानीय कर्मचारियों और नागरिक संदीप कुमार के अनुसार, लीकेज की वजह से वहां गड्ढा बन गया है। इस गड्ढे से होकर पेयजल की सप्लाई हो रही है। इससे कार्यालय परिसर और आवासीय कॉलोनी में रहने वाले कर्मचारियों को दूषित पानी मिल रहा है। कर्मचारियों ने जलदाय विभाग को कई बार शिकायत की है, लेकिन कोई कर्मचारी अब तक जांच के लिए नहीं पहुंचा। पानी के लगातार बहाव से परिसर में जलभराव हो गया है। इससे मच्छरों का प्रकोप बढ़ गया है। डेंगू और मलेरिया जैसी बीमारियों का खतरा मंडरा रहा है। पास में बने एक भवन की नींव तक पानी पहुंच गया है।

कोटा-बून्दी ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट परियोजना को लेकर बैठक हुई

कोटा, (निसं)। कोटा-बून्दी ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट परियोजना को लेकर गुरुवार को संसद भवन स्थित स्पीकर ओम बिरला के कार्यालय में उच्च स्तरीय बैठक आयोजित हुई। बैठक में केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राममोहन नायडू ने स्पीकर ओम बिरला को परियोजना की प्रगति की जानकारी दी। इस दौरान बैठक में एयरपोर्ट को लेकर कई महत्वपूर्ण निर्णय हुए। लोकसभा अध्यक्ष ने ओम बिरला ने निर्माण कार्य सहित विभिन्न विषयों को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस दौरान अगले महीने सितम्बर में निर्माण प्रारम्भ करने, मौजूदा एयरपोर्ट के उपयोग और प्रस्तावित एयरपोर्ट की डिजाइन के सम्बन्ध में भी निर्णय किए गए।

बैठक में निर्णय हुआ कि मौजूदा एयरपोर्ट परिसर में एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया द्वारा एक विशेष ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट स्थापित किया जाएगा। यह संस्थान पायलटों एवं एविएशन क्षेत्र से जुड़े प्रोफेशनल्स के प्रशिक्षण के लिए विकसित किया जाएगा, जिससे कोटा को एक नई पहचान मिलेगी। इसके साथ ही तय हुआ कि सितंबर 2025 से एयरपोर्ट का निर्माण कार्य प्रारंभ होगा। सितंबर 2027 तक निर्माण पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है और इसी वर्ष में पहली उड़ान शुरू हो जाएगी। इस दौरान लोकसभा अध्यक्ष के विशेषाधिकारी राजीव दत्ता, लोकसभा के ज्वाइंट सेक्रेटरी गौरव गोयल और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

तस्कर गिरफ्तार

श्रीगंगानगर, (निसं)। पदमपुर पुलिस ने नशा तस्करी के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए एक युवक को गिरफ्तार किया है। पदमपुर पुलिस ने नशा तस्करी के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए आरोपी से 13.31 ग्राम चिट्टा बरामद किया है। आरोपी पंजाब के अमृतसर जिले का रहने वाला है। थानाधिकारी सुरेंद्र राणा के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम ने गश्त के दौरान सूचना के आधार पर बीबी नहर के पटड़े पर दबिश दी, जहां से आरोपी बलजिंद्र सिंह उर्फ निंदा को नशे की खेप के साथ पकड़ा है।

अनूपगढ़ : जिला अस्पताल में छह सौ मरीजों के लिए सिर्फ दो फार्मासिस्ट

अनूपगढ़, (निसं)। यहां सरकारी जिला अस्पताल में स्टाफ की कमी से मरीजों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। अस्पताल में रोजाना 600 से 650 मरीज ओपीडी में आते हैं, लेकिन यहां सिर्फ एक दवा वितरण केंद्र है। इस केंद्र पर मात्र दो फार्मासिस्ट तैनात हैं। इनमें फार्मासिस्ट ग्रेड-1 आदित्य सेठी और फार्मासिस्ट हिमानी बहल शामिल हैं। स्टाफ की कमी के कारण मरीजों को लंबी कतारों में खड़ा रहना पड़ता है। इससे बुजुर्ग और महिला मरीजों को सबसे ज्यादा दिक्कत होती है। स्वास्थ्य विभाग के नियमों के अनुसार, हर 100-120 मरीजों के लिए एक दवा वितरण केंद्र होना चाहिए। इस हिसाब से अस्पताल में कम से कम 5-6 केंद्र होने चाहिए।

- **मरीज के साथ कर्मचारी भी परेशान, फार्मासिस्ट के पदों की संख्या बढ़ाने की मांग**

साथ ही फार्मासिस्ट ग्रेड-1 के 2 और सामान्य फार्मासिस्ट के 4 अतिरिक्त पदों की जरूरत है। मुख्यमंत्री निशुल्क दवा वितरण योजना के तहत मरीजों को मुफ्त दवाएं मिल रही हैं, लेकिन स्टाफ की कमी से इस सुविधा का लाभ लेने में मरीजों को परेशानी हो रही है।

फार्मासिस्ट आदित्य सेठी ने बताया कि स्टाफ की कमी से न केवल मरीज परेशान हैं बल्कि मौजूदा कर्मचारियों पर भी काम का अतिरिक्त बोझ है। स्वास्थ्य विभाग के नियमानुसार 100-120 मरीजों की ओपीडी पर एक दवा वितरण केन्द्र का प्रावधान है। साथ ही प्रत्येक दवा वितरण केन्द्र पर एक फार्मासिस्ट, एक डेटा ऑपरेटर और एक दवा वितरण सहायक की नियुक्ति होनी चाहिए, लेकिन अस्पताल में नियमानुसार वितरण केन्द्रों का संचालन नहीं हो रहा है। इस वजह से मरीजों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

राजस्थान फार्मासिस्ट कर्मचारी संघ एकीकृत के जिलाध्यक्ष सतीश कुमार टाक ने बताया कि सरकारी चिकित्सालयों में संचालित निशुल्क दवा वितरण केन्द्रों पर फार्मासिस्टों की कमी की वजह से मरीजों की लम्बी कतार लग रही है। राज्य सरकार ने फार्मासिस्टों के 999 पदों को भी विलोपित भी किया है। इससे भी फार्मासिस्टों की संख्या कम हुई है। इस संबंध में राज्य सरकार से फार्मासिस्टों के पदों की संख्या बढ़ाकर नियुक्तियां करने की मांग की जा चुकी है। ताकि मरीजों के साथ साथ कार्यरत फार्मासिस्टों को राहत मिले।

सरकारी जिला अस्पताल के प्रभारी डॉ. मुरलीधर कुमावत ने बताया कि जिला अस्पताल में फार्मासिस्ट की कमी चल रही है। इसके लिए हाल ही सरकार ओपीडी के अनुसार फार्मासिस्ट की आवश्यकता से संबंधित रिपोर्ट मांगी है, जो हमने भिजवा दी है। उम्मीद है जल्द ही फार्मासिस्ट की कमी पूरी होगी।

हाईकोर्ट ने देवीसिंह मर्डर केस के तीनों आरोपियों को बरी किया

जोधपुर, (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट की डबल बेंच ने पाली के फालना में देवीसिंह मर्डर केस में अहम फैसला सुनाते हुए तीन आरोपियों फालना निवासी हिम्मत सिंह, उसकी पत्नी पदम कंवर और बेटे यशपाल सिंह को बरी कर दिया है।

- **जस्टिस मनोज कुमार गर्ग और जस्टिस रवि चिरानिया की पीठ ने पुलिस जांच में गंभीर लापरवाही और सबूत जुटाने में नाकाम रहने का कथन किया है**

जस्टिस मनोज कुमार गर्ग और जस्टिस रवि चिरानिया की पीठ ने पुलिस जांच में गंभीर लापरवाही और सबूत जुटाने में नाकाम रहने का कथन किया है। इससे पहले कोर्ट ने 11 अगस्त की सुनवाई के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया था, जिसे 20 अगस्त को सुनाया गया। देवीसिंह की मौत से पहले जोधपुर महात्मा गांधी अस्पताल में दिए गए आखिरी बयान पर न तो हस्ताक्षर थे और न ही अंगूठा निशान लिए गए थे। वहीं, डॉक्टर का स्पष्ट प्रमाण पत्र भी उपलब्ध नहीं था कि मृतक मानसिक और शारीरिक रूप से बयान देने योग्य था। इसके अलावा, मजिस्ट्रेट की उपस्थिति भी नहीं थी। इतना ही नहीं, पुलिस पांच गवाहों को भी पक्षद्रोही होने से नहीं रोक पाई।

मामले की शुरुआत 24 अगस्त 2012 को हुई जब देवीसिंह को झुलसी अवस्था में महात्मा गांधी अस्पताल जोधपुर के बर्न वार्ड में भर्ती कराया गया। उसी दौरान पुलिस ने देवीसिंह के बयान लिए थे। देवी सिंह के अनुसार वह 18 अगस्त 2012 को बैंगलोर से यात्रा करके 20 अगस्त 2012 को अहमदाबाद पहुंचा, जहां से वह फालना गया था, क्योंकि उसकी पत्नी सुमन कंवर अपने छह महीने के बच्चे को छोड़कर भाग गई थी। देवीसिंह द्वारा बताया गया कि उसने अपने ससुर हिम्मत सिंह से संपर्क किया और उन्होंने कहा कि वह बच्चे को लेकर फालना आए। 20 अगस्त 2012 को शाम 5 बजे के करीब वह फालना पहुंचा और अपने ससुराल गया, जहां उसने चाय पी। जब वह जाने लगा तो उसकी सास पदम कंवर और साले यशपाल ने उसके हाथ पकड़ लिए और उसका ससुर उसके पीछे खड़ा था। उसी समय किसी ने उस पर पेट्रोल डालकर आग लगा दी। पड़ोसियों ने उसे बचाया और अस्पताल लाकर भर्ती कराया।

मेडिकल एविडेंस के संबंध में पुलिस ने 80 प्रतिशत जलने के मामले में शॉक के कारण होने वाले भ्रम की संभावना को गंभीरता से नहीं लिया, जबकि डॉक्टर अनुज सिंह ने माना था कि इतने गंभीर जलने के मामले में मरीज को भ्रम हो सकता है। पुलिस ने इस महत्वपूर्ण तथ्य को नजरअंदाज किया। इसके साथ ही डॉ. संजय बेदी ने पुष्टि की थी कि घटना के समय देवी सिंह नशे में था, लेकिन पुलिस ने इस महत्वपूर्ण साक्ष्य का उचित विश्लेषण नहीं किया।

पुलिस की सबसे बड़ी विफलता यह रही कि वो गवाहों को पक्षद्रोही होने से रोकने में असफल रही। पांच स्वतंत्र गवाह ओमप्रकाश, ओम पुरी, मदन सिंह, भोपाल सिंह और विक्रम सिंह पलट गए। गवाहों को धमकी या दबाव से बचाने के लिए कोई विशेष सुरक्षा व्यवस्था नहीं की गई। पुलिस गवाहों के साथ नियमित संपर्क बनाए रखने में भी असफल रही।

मृतक के पिता बाबूसिंह, चाचा जगदीश सिंह और मां काकू देवी के बयानों से भी पुलिस कोई स्पष्ट मकसद साबित नहीं कर सकी। पुलिस ने मृतक देवी सिंह और सुमन कंवर के प्रेम विवाह को मकसद बताया गया, लेकिन यह पर्याप्त साक्ष्य नहीं था। विडंबना यह भी थी कि सुमन कंवर ने खुद अपने पति के खिलाफ धारा 498-ए के तहत केस दर्ज कराया था। पाली के अतिरिक्त सेशन जज ने 19 मार्च 2016 को तीनों आरोपियों को दोषी ठहराया था। पुलिस द्वारा पेश किए गए 23 गवाहों के बयानों के आधार पर धारा 302/34 के तहत आजीवन कारावास और 2,000 रुपए जुर्माना तथा धारा 341 के तहत एक महीने का कारावास की सजा सुनाई गई थी जिसमें दोनों सजाएं एक साथ चलने का आदेश था।

हाईकोर्ट ने स्पष्ट रूप से कहा कि अभियोजन पक्ष उचित संदेह से परे अपराध सिद्ध करने में असफल रहा है। कोर्ट ने मकसद के अभाव, पक्षद्रोही गवाहियों, मृतक की नशे की स्थिति और आरोपियों की जलने की चोटों के अस्पष्टीकृत होने पर चिंता जताई। कोर्ट ने यह भी उल्लेख किया कि पुलिस कार्रवाई हिम्मत सिंह की रिपोर्ट पर शुरू हुई थी, न कि मृतक के बयान के आधार पर। हाईकोर्ट ने यशपाल सिंह को तुरंत जेल से रिहा करने का आदेश दिया है, जबकि हिम्मत सिंह व पदम कंवर के बेल बॉन्ड रद्द कर दिए हैं। इन तीनों को एक महीने के भीतर 50,000 रुपए का व्यक्तिगत बॉन्ड और समान राशि की जमानत देनी होगी जो छह महीने तक प्रभावी रहेगी।

किसान की 18 बीघा जमीन की नीलामी का विरोध

श्रीगंगानगर, (निसं)। पदमपुर तहसील क्षेत्र के बींझबायला में किसान की 18 बीघा नहरी जमीन की ऑनलाइन नीलामी का विरोध शुरू हो गया है। पंजाब एंड सिंध बैंक शाखा बींझबायला के सामने किसान परिवार और अन्य किसान धरने पर बैठे हैं।

यह मामला 27 एमएल के किसान परिवार का है। किसानों का कहना है कि 8 जुलाई 2024 को प्रशासन की मौजूदगी में हुए समझौते को लागू नहीं किया गया। इसलिए उन्हें आंदोलन का रास्ता अपनाना पड़ा है। धरना स्थल पर प्रशासनिक अधिकारियों और किसान संगठनों के बीच बातचीत हुई। इसमें तहसीलदार जितेंद्र सिंह, उपतहसीलदार अंकित मिमाणी और पंजाब एंड सिंध बैंक के चीफ मैनेजर जी.डी. शर्मा शामिल थे। किसान नेताओं में कॉमरेड रविंद्र तरखान, सुखबीर फौजी, पवन नोखवाल और कैलाश पुनिया आदि मौजूद रहे।

शुभ दहिया ने जापान में कराटे चैम्पियनशिप में सिल्वर मेडल हासिल किया

जोधपुर, (कासं)। जापान स्थित कुमामोटो शहर में आयोजित अर्न्तराष्ट्रीय स्तर की कराटे चैम्पियनशिप में मारवाड़ के शुभ दहिया ने सिल्वर मेडल हासिल कर भारत का मान बढ़ाया है।

शुभ दहिया ने सिल्वर मेडल हासिल कर भारत का मान बढ़ाया है।

पीपा क्षत्रिय समाज के होनहार छात्र शुभ दहिया का अन्तरराष्ट्रीय कराटे स्पर्धा के लिए जापान जाने वाली भारतीय टीम के 13 खिलाड़ियों में चयन हुआ था। 17 अगस्त को जापान के कुमामोटो शहर में आयोजित इस कराटे स्पर्धा में अलग-अलग देश के खिलाड़ियों ने भाग लिया। इस स्पर्धा में शुभ दहिया ने अपनी प्रतिभा का हुनर दिखाते सिल्वर मेडल को भारत के नाम किया। ग्यारहवीं कक्षा के छात्र 16 वर्षीय शुभ दहिया जैसलमेर के मूल निवासी दिलीप दहिया के सुपुत्र है। दिलीप दहिया अपने परिवार के साथ नागपुर में रहते हैं तथा वर्षों से वही कार्यरत हैं। शुभ दहिया ने अपनी सफलता का श्रेय अपने पिता दिलीप दहिया और माता सोनल दहिया और प्रशिक्षक कोच डी डब्ल्यू डब्ल्यू ए कराटे अकॅडमी के प्रमुख प्रशिक्षक सोन सोनल दहिया और प्रशिक्षक कोच डी डब्ल्यू डब्ल्यू ए कराटे अकॅडमी के प्रमुख प्रशिक्षक सोनल चौधरी कडबे, शोकाई अकॅडमी के प्रमुख प्रशिक्षक सेन्साई सूरज गोडे सर, रिक्यू शोरीन रियो कराटे डॉ ऑफ इंडिया के प्रमुख प्रशिक्षक शिहान विनोद शेलके सर को दिया है। इनके द्वारा शुभ को कराटे का विशेष प्रशिक्षण दिया गया था।